रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

48, एटा से प्रकाशित, शनिवार, 18 फरवरी, 2023 पृष्ठ: 8

जैविक खेती हेतु कृषि वैज्ञानिक किसानों को कर रहे प्रेरित, खुद तैयार कराते केंचुआ खाद

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र,दिलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान जैविक खेती हेतु किसानों को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए किसानों को गांव गांव जाकर स्वयं केचुआ की खाद तैयार करा रहे हैं।इसी क्रम में हुए ग्राम दया का पुरवा, विकासखंड झींझक,जनपद कानपुर देहात के प्रगतिशील कृषक सुशील कुमार कुशवाहा के घर के सामने केंचुआ खाद तैयार करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंचुआ खाद मिट्टी के स्वास्थ्य हेतु बहुत ही लाभकारी है।इस खाद में सभी 17 पोषक तत्व पाए जाते हैं।जिससे फसल गुणवत्ता युक्त होती है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में केंचुआ की खाद हेतु आईसीनिया फोइटीडा नामक केंचुआ की प्रजाति सर्वोत्तम रहती है। जिससे लगभग 2 माह में खाद बनकर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस खाद में पोषक तत्व लगभग 15: जीवांश कार्बन, 1. 30 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.95 फास्फोरस एवं 0.75: पोटाश पाया जाता है।इसके अतिरिक्त अन्य सभी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो अन्य खादों में नहीं होते हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ में सुधार होता है।तथा किसान की फसल लागत भी कम होती है और जो उत्पाद होता है। व गुणवत्ता युक्त होता है जो स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी है।

वर्ष 17 अंक 48 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, शनिवार 18 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

जैविक खेती हेतु कृषि वैज्ञानिक किसानों को कर रहे प्रेरित

✦खुद तैयार कराते केंचुआ खाद

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र,दिलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान जैविक खेती हेतु किसानों को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए किसानों को गांव गांव जाकर स्वयं केचुआ की खाद तैयार करा रहे हैं।इसी क्रम में हुए ग्राम दया का पुरवा, विकासखंड झींझक,जनपद कानपुर देहात के प्रगतिशील कृषक सुशील कुमार कुशवाहा के घर के सामने केंचुआ खाद तैयार करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंचुआ खाद मिट्टी के स्वास्थ्य हेतु बहुत ही लाभकारी है।इस खाद में सभी 17 पोषक तत्व पाए जाते हैं।जिससे फसल गुणवत्ता युक्त होती है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में केंचुआ की खाद हेतु आईसीनिया फोइटीडा नामक केंचुआ की प्रजाति सर्वोत्तम रहती है। जिससे लगभग 2 माह में खाद बनकर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस खाद में पोषक तत्व लगभग 15 प्रतिशत जीवांश कार्बन, 1.30 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.95 फास्फोरस एवं 0.75 प्रतिशत पोटाश पाया जाता है।इसके अतिरिक्त अन्य सभी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो अन्य खादों में नहीं होते हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ में सुधार होता है।तथा किसान की फसल लागत भी कम होती है और जो उत्पाद होता है। व गुणवत्ता युक्त होता है जो स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी है। नमो सेना इंडिया भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमनाथ बोस जी ने नमो सेना के पदाधिकारियों व आरोग्यधाम की टीम के साथ साधु संतों व भक्तों को परमट मंदिर के बाहर रामचरितमानस की पुस्तकें वितरित की। नमो सेना इंडिया भारत द्वारा आज परमट मंदिर बाबा आनंदेश्वर धाम में श्रीरामचरितमानस का वितरण मंदिर परिसर में पूज्य आचार्यो पुरोहितों को किया गया मुख्य अतिथि दादा सोमनाथ बोस पौत्र नेताजी सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय अध्यक्ष नमो सेना इंडिया ने सर्वप्रथम बाबा का पूजन दर्शन व श्रंगार किया तत्पश्चात मंदिर में आचार्यों पुरोहितो को श्री रामचरितमानस भेंट की आचार्य प्रमोद तिवारी ,अचार्य शैलेंद्र शुक्ला पिंकू, आचार्य केशव शास्त्री, आचार्य मुनि तिवारी ने पुस्तक का पूजन व संकल्प कर श्री रामचरितमानस की प्रतियां भेंट की दादा सोमनाथ बोस ने आचार्य रवि शुक्ला सहित 21 आचार्यों को श्रीरामचरितमानस भेंट कर परमट मंदिर के महंत इच्छा गिरी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया था दादा ने कहा मानस का अपमान यह भारत का नौजवान नहीं सहेगा और मानस को जलाने वालों का सर्वनाश होगा और 2024 के चुनाव में विपक्ष का सफाया होगा मानस वितरण में प्रमुख रूप से वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉक्टर हेमंत मोहन, डॉक्टर आरती मोहन, आरोग्यधाम के संस्थापक आरआर मोहन ,श्री कृष्ण दिक्षित बड़े जी, तापसी चक्रवर्ती, ओम द्विवेदी, श्याम मिश्रा ,गिरजेश निगम ,अंजू श्रीवास्तव नीतीश पांडेय सत्यम शुक्ला,श्रीश शुक्ला, अर्पित त्रिपाठी सहित नमो सेना परिवार के प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जैविक खेती हेतु कृषि वैज्ञानिक किसानों को कर रहे प्रेरित

खुद तैयार कराते केंचुआ खाद

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र,दिलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान जैविक खेती हेतु किसानों को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए किसानों को गांव गांव जाकर स्वयं केचुआ की खाद तैयार करा रहे हैं।इसी क्रम में हुए ग्राम दया का पुरवा, विकासखंड झींझक,जनपद कानपुर देहात के प्रगतिशील कृषक सुशील कुमार कुशवाहा के घर के सामने केंचुआ खाद तैयार करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंचुआ खाद मिट्टी के स्वास्थ्य हेतु बहुत ही लाभकारी है।इस खाद में सभी 17 पोषक तत्व पाए जाते हैं।जिससे फसल गुणवत्ता युक्त होती है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में केंचुआ की खाद हेतु आईसीनिया फोइटीडा नामक केंचुआ की प्रजाति सर्वोत्तम रहती है। जिससे लगभग 2 माह में खाद बनकर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस खाद में पोषक तत्व लगभग 15त्र जीवांश कार्बन, 1.×0 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.95 फास्फोरस एवं 0.75त्र पोटाश पाया जाता है।इसके अतिरिक्त अन्य सभी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो अन्य खादों में नहीं होते हैं। जिससे मृदा का स्वास्थ में सुधार होता है।तथा किसान की फसल लागत भी कम होती है और जो उत्पाद होता है। व गुणवत्ता युक्त होता है जो स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी है।

किसानों को प्रोत्साहित कर रहे वैज्ञानिक

कानपुर, 17 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र,दिलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान जैविक खेती हेतु किसानों को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए किसानों को गांव गांव जाकर स्वयं केचुआ की खाद तैयार करा रहे हैं।इसी क्रम में हुए ग्राम दया का पुरवा, विकासखंड झींझक,जनपद कानपुर देहात के प्रगतिशील कृषक सुशील कुमार कुशवाहा के घर के सामने केंचुआ खाद तैयार करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंचुआ खाद मिट्टी के स्वास्थ्य हेतु बहुत ही लाभकारी है।इस खाद में सभी 17 पोषक तत्व पाए जाते हैं।जिससे फसल गुणवत्ता युक्त होती है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में केंचुआ की खाद हेतु आईसीनिया फोइटीडा नामक केंचुआ की प्रजाति सर्वोत्तम रहती है। जिससे लगभग 2 माह में खाद बनकर तैयार हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस खाद में पोषक तत्व लगभग 15प्रतिशत जीवांश कार्बन, 1.30 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.95 फास्फोरस एवं 0.75प्रतिशत पोटाश पाया जाता है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो अन्य खादों में नहीं होते हैं।

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनायें

लखनऊ वर्षः 14 | अंकः 128 | मूल्यः ₹ 3.00/- | पेजः 12 शनिवार | 18 फरवरी, 2023

केंचुआ की खाद बनाना सिखाने के साथ किसानों को सिखाए जा रहे जैविक खेती करने के तरीके

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान द्वारा जैविक खेती के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा हैं। जिसके लिए वह केचुआ की खाद तैयार करा रहे हैं। इसी क्रम में बीते दिन शुक्रवार को डॉ. खान ने ग्राम दया का पुरवा, विकासखंड झींझक, जनपद कानपुर देहात के प्रगतिशील किसान सुशील कुमार कुशवाहा के घर के सामने केंचुआ खाद तैयार कराई। उन्होंने बताया कि केंचुआ खाद मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती है। इस खाद में सभी 17 पोषक

तत्व पाए जाते हैं। उत्तर भारत में केंचुआ की खाद के लिए आईसीनिया फोइटीडा नामक केंचुआ की प्रजाति सर्वोत्तम रहती है। जिससे लगभग 2 माह में खाद बनकर तैयार हो जाती है। उन्होंने बताया केंचुआ खाद में पोषक तत्व जीवांश कार्बन 15 फीसदी, नाइट्रोजन 1.30 फीसदी, फास्फोरस 0.95 होती है।

जैविक खेती के लिए केचुआ से खाद बनाने की बताई विधि

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीपनगर के मृदा विज्ञानी डा. खलील खान जैविक खेती के लिए किसानों को प्रेरित किया। उन्होंने गांवों में किसानों को केचुआ खाद तैयार करने की विधि बताई। यह खाद फसलों के लिए बहुत लाभदायक होती है।

मृदा विज्ञान ने दया का पुरवा गांव में प्रगतिशील कृषक सुशील कुमार कुशवाहा के यहां पहुंचकर केचुआ खाद तैयार कराई। उन्होंने कहा कि केचुआ खाद मि... पदार्थ के

केंचुआ खाद बनाना सिखाते कृषि विज्ञानी डा. खलील खान बाएं ● स्वयं

लिए बहुत लाभकारी है। इस खाद में सभी 17 पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिससे फसल ...

होती है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में केचुआ की खाद के लिए ... नामक केंचुआ की प्रजाति सर्वोत्तम रहती है। इससे लगभग दो माह में खाद बनकर तैयार हो जाती है।

उन्होंने कहा कि इस खाद में पोषक तत्व लगभग 15 प्रतिशत जीवांश कार्बन, 1.30 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.95 फास्फोरस एवं 0.75 प्रतिशल पोटाश पाया जाता है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो अन्य उर्वरकों में नहीं होते हैं। इससे मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार होता है और किसान की फसल लागत भी कम होती है। उत्पादन भी गुणवत्तायुक्त होता है, जो स्वास्थ्य के लिए काफी ... है।

दैनिक जागरण कानपुर देहात 18.02.2023